units, construction of 3463 community toilets. In so far as liberation and rehabilitation is concerned, Ministry of Welfare has informed that till now about 1.00 lakh and 2.50 lakhs scavengers have been trained and rehabilitated respectively.

(c) and (d) Yes, Sir. The programme is popular in small and medium towns of the country, including urban slums.

The following steps have been taken to make this programme more efficient:—

(i) The procedural bottlenecks have been streamlined by HUDCO to expedite the early coverage of the programme throughout the country through its network of regional offices;

(ii) HUDCO's regional offices render assistance to the local municipalities in project formulation and time bound implemention.

(iii) 25% of Government of India's subsidy is released immediatley after sanction of the scheme to initiate programme in the town.

(iv) Half-yearly review meetings are held with the concerned State Government Secretaries to review the progress of the programme.

राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का स्थानांतरण

1069. **श्री राजनाथ सिंह** :
श्री मती मालती शर्मा :

क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के चतुर्थ श्रेणी कम्रचारियों का स्थानांतरण महानगरों से बाहर नहीं किया जाता ,

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उपर्युक्त निगम के दिल्ली में नियुक्त चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का स्थानांतरण दिल्ली से बाहर किया जा रहा है जिससे उन्हें विभिन्न प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इन स्थानांतरणों को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (डा. यू. वेंकटेस्वरलू) : (क) जी, नहीं । एन.वी.सी.सी. के श्रेणी IV के कर्मचारी के महानगर के बाहर स्थानांतरित किए जा सकते हैं ।

(ख)और (ग) निगम के श्रेणी-IV कर्मचारियों का स्थानांतरण अन्य जोनों में वहां कर्मचारीयों की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है । ये स्थानांतरण आवश्यक हो गए हैं क्योंकि दिल्ली में पर्याप्त कार्य उपलब्ध नहीं है कि वर्तमान में दिल्ली में तैनात सभी श्रेणी-IV कर्मचारियों को किसी उपयोगी कार्य में लगाया जा सके । बाजार की स्थितियों पर निर्भर निर्माण कंपनी का कार्यभार घटता-बढ़ता रहता है । इसलिए क्रियात्मक स्तर के कार्यबल को कार्य रहने वाले स्थानों पर तैनात करना पड़ता है। जिस स्थानपर पर्याप्त कार्य नहीं होने पर क्रियात्मक स्तर पर कार्यबल रखा जायेगा वहां निगम को व्यर्थ में मजदूरी भुगतान करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा जो इसकी वित्तीय स्थिति के लिए हानिकारक होगा । तथापि अति वास्तविक समस्याओं के मामलों में,प्रत्येक मामले के गुण-दोषों के आधार पर दिल्ली से अन्य जोनों के लिए कर्मचारियों के स्थानातंरण को रद्द कर दिया जाता है अथवा आस्थगित कर दिया जाता है ।

Transport problems in big cities

1070. SHRI LAKKHIRAM AGARWAL: Will the Minister of URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the increasing transport problem in big cities of the country; and

(b) if so, the steps proposed to be taken to solve the problem?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT (DR. U. VENKATESWARLU): (a) Yes, Sir.

(b) Government of India provides financial assistance to State Governments for conducting studies on various Urban Transport matters to the extent of 40% of the cost of the Study. These studies indicate the relevant measures for solving